

हिंदी ऑनलाइन कक्षा में आप सभी का स्वागत है।

कक्षा -6

हिन्दी

पाठ -4

नन्हे - मुन्हे प्यारे बच्चे

CHANGING YOUR TOMORROW

4

नन्हे-मुन्ने प्यारे बच्चे

चिंतन-मनन

आज के बच्चे कल के नागरिक हैं, उन्हीं पर देश का भविष्य निर्भर करता विधाता है।

नन्हे-मुन्ने प्यारे बच्चे,
कोमल कुसुम समान।
इनके खिलने से महकेगा,
सारा हिंदुस्तान॥

भोली-भाली प्यारी सूरत,
अमृत-सी मुसकान।
पल में रूठे पल में मानें,
करें न ये अभिमान॥

मीठी मधुर तोतली वाणी,
में है कितना ज्ञान।
निर्मल किलकारी पर इनकी,
ईश्वर भी कुर्बान॥

बच्चे होते सबसे अच्छे,
वे अमूल्य वरदान।
जो आगे चलकर रखते हैं,
देश धर्म का मान॥

ये भारत के भाग्य विधाता,
ये भारत की शान।
इनके खिलने से महकेगा,
सारा हिंदुस्तान॥

-डॉ. परशुराम शुक्ल

(‘चारों खाने चित’ से अवतरित)

शब्दार्थ-

नन्हे-छोटे

कोमल-नाजुक

कुसुम- पुष्प

महकना- सुगंधित

अमृत-सुधा, मधु

रूठना-अप्रसन्न होना

अभिमान- घमंड करना

तोतली- बच्चों की बोली

किलकारी-बच्चों का चहकना

कुर्बान-निछावर करना

अमूल्य-कीमती

शान- उत्तम, बढिया

महकेगा-खुशबू महक

अर्थबोध-

इस कविता में कवि नन्हे मुन्हे बच्चों के रूप गुण कि वर्णन करते हुए उनको देश के निर्माता तथा भाग्य विधाता कहे हैं। नन्हे बच्चे फूल के तरह कोमल होते हैं और उनके खुशियों से सारे हिंदुस्तान खिल उठता है। इन बच्चों के मासुमियत बके मन को मोह लेता है। उनके तोतली बोल ,निर्मल मन भगवान को भी भाता है। बच्चे भगवान के अनमोल वरदान होते हैं। यही बच्चे बडे होकर देश , धर्म , समाज के लिये काम करते हैं। उनका नाम सब भाग्य बिधाता हैं। इनके कारण देश का नाम होगा।



संबंधित प्रश्न-

1. बच्चे कैसे होते हैं?
2. बच्चों कि मुसकान को किसके साथ तुलना किया गया है?
3. बच्चों की बोल कैसा होती है?
4. ईश्वर किस पर कुर्बान है?
5. बच्चे किह के और कैसी वरदान है?
6. भारत के भाग्य विधाता कौन हैं?
7. हमारे देश का शान कौन बढ़ाएंगे?

THANKING YOU
ODM EDUCATIONAL GROUP

